



वश्ववदियालयों में महिला पीठों की स्थापना

प्रीलमिस के लिये:

पीठों के लिये प्रस्तावति नाम

मेन्स के लिये:

सरकार द्वारा महिला सशक्तीकरण हेतु उठाए गए कदम

संदर्भ

24 जनवरी, 2020 को राष्ट्रीय बालिका दविस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (Ministry of Women and Child Development) द्वारा देश के वभिन्न वश्ववदियालयों में वभिन्न क्षेत्रों से जुडी 10 पीठों के गठन की घोषणा की गई।

उद्देश्य:

इसका उद्देश्य अनुसंधान गतविधियों में महिलाओं को प्रोत्साहति करना है।

प्रमुख बदि:

- इस पहल को 'वश्ववदियालयों में पीठों की स्थापना' का नाम दिया गया है।
- इसके तहत प्रशासन, कला, वज्जिज्ञान और सामाजिक सुधार के क्षेत्रों में प्रसदिध महिलाओं के नाम पर पीठों की स्थापना की जाएगी।
- इसके अलावा इस पहल का उद्देश्य देश की बालिकाओं और महिलाओं को उच्च शक्ति की प्राप्ति के लिये प्रेरति करना है।
- इसके लिये [वश्ववदियालय अनुदान आयोग](#) (University Grants Commission- UGC) वत्तितीय सहायता प्रदान करेगा।
- इसके तहत प्रती पीठ के लिये प्रतविर्ष 50 लाख रुपए का वत्तितीय प्रस्ताव रखा गया है।
- UGC के दशा-नरिदेशों के अनुसार, आरंभ में 5 वर्षों के लिये पीठों की स्थापना की जाएगी।

UGC द्वारा प्रस्तावति और मंत्रालय द्वारा स्वीकृत पीठों का वविरण इस प्रकार है:

क्र.सं.	वषिय	पीठ का प्रस्तावति नाम
1.	प्रशासन	देवी अहलियाबाई होल्कर (अहलियाबाई को एक दार्शनिक रानी के रूप में जाना जाता है।)
2.	साहित्य	महादेवी वर्मा (हिंदी भाषा की प्रख्यात कवयतिरी)
3.	स्वतंत्रता सेनानी (पूर्वोत्तर)	रानी गैडनिलयु (स्वतंत्रता सेनानी)
4.	औषधि एवं स्वास्थ्य	आनंदीबाई गोपालराव जोशी (पहली भारतीय महिला चकित्सक)
5.	मंचकला	एम. एस. सुबबुलक्ष्मी (भारत की पहली गायिका जिन्हें सर्वोच्च नागरिक अलंकरण भारत रत्न से सम्मानति कथिा गया)
6.	वन/वन्यजीव संरक्षण	अमृता देवी बेनीवाल (चपिको आंदोलन से संबंधति)
7.	गणति	लीलावती (प्राचीन काल की गणतिज्ज)
8.	वज्जिज्ञान	कमला सोहोनी (वज्जिज्ञान के क्षेत्र में पीएचडी करने वाली पहली भारतीय महिला)

9.	कविता एवं रहस्यवाद	लल्ल-दयद (लल्लेश्वरी, 14वीं सदी की प्रसिद्ध कवयित्री)
10.	शैक्षिक सुधार	हंसा मेहता (भारत में एक सह-शिक्षा विश्वविद्यालय की कुलपति नियुक्त होने वाली पहली महिला)

कार्य:

- पीठों का मुख्य कार्य अकादमिक गतिविधियों में अनुसंधान को शामिल करना तथा जन-नीति बनाने में विश्वविद्यालय/अकादमिक संस्थानों की भूमिका को मज़बूत करना।
- उच्च शिक्षा में अध्यापकों के लिये अल्पकालीन क्षमता निर्माण कार्यक्रम (Short-term Capacity Building Programme) तैयार करना और इसको क्रियान्वित करना।

मूल्यांकन:

- विश्वविद्यालय वार्षिक स्तर पर पीठ की प्रगतिकी समीक्षा करेंगे और 5 वर्षों के बाद UGC को पीठ की गतिविधियों तथा परणाम के बारे में अंतिम रिपोर्ट सौंपेंगे।
- इसके अतिरिक्त UGC किसी भी स्तर पर पीठ को कायम रखने के विषय में समीक्षा कर सकता है।

स्रोत: PIB

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/establishment-of-chairs-named-after-eminant-women-in-universities>

